9343

M. T. B. COLLEGE, SURAT

*Manuscripts Library*

No. Ref.
Ser. 1355

Title: Laksmi Sahasra

1353

Incomplete

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | Lakṣmī sahasra | : Title |
| | | | : Author |
| | | | : Editor |
| | | | : Year, Vols. |
| | | | : Publisher |
| 1353 | | | : Remarks |

श्रीगणेशायनमः ॥ अस्यश्रीमूलमंत्रपूर्वकसह
१ स्त्रनामस्तोत्रमालामंत्रस्य ब्रह्माविष्णुमहेश्वरा
ऋषयः श्रीमहाकालीश्रीमहालक्ष्मीश्रीमहा
सरस्वतीदेवता गायत्र्युष्णिगनुष्टुप्छंदांसि नं
दाशाकंभरीभीमाःशक्तयः रक्तदंतिकादुर्गा
भ्रामर्योबीजानि ॥ अग्निर्वायुःसूर्यस्तत्वानि ॥
श्रीमहाकालीमहालक्ष्मीमहासरस्वतीदेव
ताप्रीत्यर्थेजपेविनियोगः ॥ अथन्यासः ॥ ॐऐं १
ह्रींश्रीं अंगु॰ ॐऐंह्रींश्रींतर्ज॰ ॐऐंह्रींश्रींमध्य॰

ॐऐंह्रींश्रीं अना॰ ॐऐंह्रींश्रींकनि॰ ॐऐंह्रींश्रीं॰
करतल॰ इतिषडंगः ॥ ॐऐंह्रींश्रींह्सख्फ्रेंश्रींह्रीं
ऐंनमःस्वाहाहृदयायनमः ॐऐंह्रींश्रींह्सख
फ्रेंश्रींह्रींऐंनमःस्वाहाशिरसेस्वाहा ॐऐंश्रीं
ह्रींह्सख्फ्रेंश्रींह्रींऐंनमःस्वाहाशिखायैवष
ट् ॐऐंश्रींह्रींह्सख्फ्रेंश्रींह्रींऐंनमःस्वाहा
कवचायहुं ॐऐंह्रींश्रींह्सख्फ्रेंश्रींह्रींऐंनमः
स्वाहानेत्रत्रयायवौषट् ॐऐंश्रींह्रींह्सख
फ्रेंश्रींह्रींऐंनमःस्वाहाअस्त्रायफट् इति
दिग्बंधः एवंसम्यग्मूलमंत्रंजप्त्वा सनक

ल.स. मारकंडाय. महालक्ष्मी महाकाली महाकन्या स
रस्वती महासरस्वती देवी भक्तानुग्रहकारिणी·
१ ईशानी श्यामला देवी महामाया महेश्वरी
हल्लेखा परमा शक्ति मातृका बीजरूपिणी २
नित्या सर्वगतानंदा नित्यानंदा निरंजना नि
त्यप्रकाशिनी देवी सूर्याकाशस्वरूपिणी ३
त्रिपुरा भैरवी विद्या हंसा वागीश्वरी शिवा
वागीश्वरी महारात्री कालरात्रि त्रिलोचना
४ भद्रकाली कराली च महागौरी सर्वमंगली·
काली कराल वक्रांता कामाक्षी कामसंभवा· २
५ चंडिका चंडरूपा सा चामुंडा खड्गधारिणी·

ता भंजिका सर्वभंजिका २८ दिव्यासा या सना
तासी कन्यकोमलकोटूथा श्रीकरलक्षणा देवी दु
र्गास्तत्प्रबोधिनी २९ श्रद्धा मेधा धृतिः प्रज्ञा
धारणा शांति निश्चय श्रुति स्मृति धृति धन्या भूति
रिष्टि मनीषिणी ३० विरक्ता वैष्णवी माया संवेमा
या प्रभंजनी माहेंद्री माल्यपुंनागी माहेंद्रस्वरू
पिणी ३१ अवस्था त्रयनिर्मुक्ता गुणत्रयविव
र्जिता इषणा त्रयनिर्मुक्ता सर्वरोगविवर्जिता
३२ योगध्यानैकगम्या सा योगध्यानपरायणा
त्रयीशिखाविशेषा च वेदांतज्ञानरूपिणी ३३
भारती कमला भद्रा पद्मा पद्मवनाश्रिता गोमती

गामिनी गौरी ईशानी हंसवाहिनी ३४ नारायणी
प्रभाधारा जाह्नवी शंकरात्मजा व्याघ्रचर्मपरीधा
नानागरुडोपवीतिनी ३५ निर्मांसा भस्मदिग्धां
गी ब्रह्मकपालधारिणी त्रिशीर्षा चशिखा लांगी
छायादेवी सुरेश्वरी ३६ चित्रघंटा सुनंदा पृथ्वी
मानवी मनुसंभवा स्तंभिनी क्षोभिणी वीणा भ्रा
मिणी मारिणी क्षतिः ३७ मोहिनी द्वेषिणी घोरा
घोरेशा घोररूपिणी रुद्रकादशनी पुण्याक
ल्याणी मेकोस्थायिनी ३८ रवदूती महादूती 
सप्तदुर्गाष्टभैरवी सूर्याचंद्राधमात्रावग्रह
नक्षत्ररूपिणी ३९ बिंदुनादकलातीता बिंदु

नादकलात्मिका दशवायुजयाकारा कला
षोडशसंयुता ४० काश्यपी कमलादेवी ना
भिचक्रनिवासिनी खड्गधारा श्रुतिगुह्या
देविका चक्ररूपिणी ४१ अविद्या शार्वरी
शुभ्राशुभ्रा भास्करनिवहिणी त्रिकाया त्रिक
लाशुभ्रा कामनिर्भेककारिणी ४२ आद्य
लक्ष्मी गुणाधारा पंचब्रह्मात्मिकावली सत
ब्रह्मसुखावासा सर्वसंधतिरूपिणी ४३ मृतसं
जीविनी देवी कामिनी कामवर्जिता निर्वाणमा
र्गदा देवी हंसिनी कोधिकी क्षमा ४४ अविद्या
गुणनैर्व्या निर्गुणा चंडिकासत्या सैनिका

ल·स· वेदविद्याभ्रामरीचक्रधारिणी ४५ डिंडिनीमुं
६ डिनीव्याघ्रीशंखिनीसोमहासिनी सौत्रामणी
शतानंदापंचबाणप्रभंजनी ४६ जपाशोणा
सहस्राक्षीसहस्रभुजपादुका संध्याबलात्रि
संध्याक्षीब्रह्मांडमणिभूषणा ४७ राजिका
रक्तमालाश्रीकामधेनुरुक्तमा चिंतामणि
रूपादेवीकर्णिकाकणभूषणा ४८ अम्बष्ठा
वारुणीसेनाकालिकामप्रभंजनी पंचप्राण
वरूपारुद्राकांताकाम्यवरानना ४९ मंत्रब्रा ६
ह्मणविद्यार्थीवारूपाहविष्मती अथर्वणा
कृतिःशून्याकल्पनावर्जितासती ५० संता